पत्रकारिता सिर्फ रोजी रोटी नहीं, दायित्व है: जगदीश उपासने

'डाटा जर्नलिज्म में है पत्रकारिता का भविष्य '

नोएडा परिसर में कुलपति जगदीश उपासने का भव्य स्वागत

नोएडा, 28 मार्च, 2018: पत्रकारिता में तकनीक बदलाव लगातार होते रहे हैं लेकिन उसके मूल सरोकार नहीं बदले हैं। पत्रकारिता सिर्फ रोजी रोटी नहीं है बल्कि एक सामाजिक दायित्व है। ये बातें माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति जगदीश उपासने ने कहीं । वे विश्वविद्यालय के नोएडा परिसर में आयोजित एक समारोह में बोल रहे थे। समारोह में विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति श्री अच्युतानंद मिश्र भी मौजूद थे।

श्री उपासने ने इस मौके पर पत्रकारिता की परंपरा, पत्रकारिता शिक्षा और भविष्य की पत्रकारिता जैसे विषयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तमाम तकनीकी बदलावों और चमकदमक के बावजूद पत्रकारिता का असली सरोकार आज भी अशुभ, अन्याय और हर तरह के शोषण का विरोध है। वह बेजुबान और कमजोर की आवाज़ है। उन्होंने विद्यार्थियों कोआगाह करते हुए कहा कि संचार बाद की चीज है प्रारंभिक बात यह समझने की है कि संचार लायक कौन-सी चीज है। पत्रकारिता जनमत बनाती नहीं बल्कि जनमत बनाने में मददकरती है। तथ्यों की पवित्रता को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि तथ्य कितने भी विश्वसनीय स्रोत से आएं उनकी जांच परख पत्रकारिता का धर्म है। कुलपति ने डाटा को लेकर छिड़ी मौजूदा बहस का संदर्भ रखते हुए कहा कि पत्रकारिता की उभरती हुई दिशा डाटा जर्नलिज़्म की है, विद्यार्थियों को इससे संबंधित कौशलों को सीखना चाहिए और किसी भी तरह की तोड़-मरोड़ से बचना चाहिए।

इसके पहले विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति श्री अच्युतानंद मिश्र ने श्री उपासने को नई जिम्मेवारी की बधाई और विश्वविद्यालय के निरंतर प्रगति की शुभकामनाएं दीं। नोएडापरिसर में पूर्व प्राध्यापक श्री रामजी त्रिपाठी ने भी अपनी बातें रखीं। परिसर के प्रभारी प्रोफेसर अरूण कुमार भगत ने स्वागत वक्तव्य रखते हुए नोएडा परिसर की उपलब्धियों और वस्तुस्थिति का विवरण रखा। मंच संचालन सह प्रभारी श्रीमती रजनी नागपाल और धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर बीएस निगम ने किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति का पद संभालने के बाद श्री जगदीश उपासने पहली बार नोएडा परिसर में आए थे। परिसर के सभी प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी और विद्यार्थियों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। इस मौके पर श्रीमती मीता उज्जैन, श्री सूर्यप्रकाश, श्री लालबहादुर ओझा, डॉ. सौरभ मालवीय, श्री राकेश योगी सहित समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।